## महत्वपूर्ण एवं खास

### बेमौसम बारिश ने खोली घटिया निर्माण की पोल

**कोरबा (आरएनएस)।** बेमौसम बारिश ने राष्ट्रीय राजमार्ग 149 बी की घटिया निर्माण की पोल खोलकर रख दी है। मार्ग का कुछ समय पहले ही मरम्मत कार्य कयिा गया था। बेमौसम बारिश का पानी जर्जर सडक़ के गड्ढों में भर गया है। विभाग द्वारा कराए गए कार्य की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लग गया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शासन द्वारा प्रदान किए गए मरम्मत राशि में अधिकारियों व ठेकेदारों द्वारा बंदरबांट कर गुणवत्ता के साथ समझौता कर लिया गया है। बरपाली क्षेत्र में इस सडक़ का हाल बुरा है। जबकि लाखों रुपए खर्च कर मार्ग की हालत सुधारी गई थी। कुछ दिन बाद ही मार्ग पर बड़े.बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के कारण सडक़ पर बिछाई गई गिट्टी भी डामर से अलग हो गई है। प्रथम दृष्टया ही मार्ग की गुणवत्ताहीन स्थिति का पता चल रहा है। अब देखने वाली बात होगी कि विभाग संबंधित ठेकेदार पर क्या कार्रवाई सुनश्चित करती है।

### साप्रवि से परिपत्र जारी : शासकीय दस्तावेज नष्ट किया तो खैर नहीं

**रायपुर (आरएनएस)।** शासकीय अभिलेखों, रिकार्डों के लगातार विनष्टीकरण किए जाने का समाचार विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित होने के बाद राज्य सरकार ने निर्देश जारी कर शासकीय रिकार्ड सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग से सभी विभागों के अपर मुख्य सचिवों, सचिवों, प्रमुख सचिवों और स्वतंत्र प्रभार वाले विशेष सचिवों को परिपत्र जारी किया है। परिपत्र में सरकारी अभिलेखों को आनन-फानन में नष्ट नहीं किए जाने की सख्त हिदायत देते हुए कहा गया है कि इस सबंध में शासकीय मार्गदर्शिका और निर्देशों का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ कड़ी कार्यवाहही की जाएगी। ज्ञात हो कि हाल ही में शासकीय दस्तावेजों को आनन-फानन में जलाए जाने की खबर सभी समचार पत्रों और समाचार चैनलों में प्रमुखता के साथ प्रकाशित और प्रसारित की गई थी। शासकीय दस्तावेजों के आनन-फानन में नष्ट किए जाने से कई तरह के संदेह उत्पन्न हो गए थे। लिहाजा अब राज्य सरकार के निर्देश पर ऐसा करते पाए जाने पर सख्त और कड़ी कार्यवाही करने का निर्देश जारी हो गया है।

### नाले में डूबकर महिला की बनी जलसमाधि

**जगदलपुर(आरएनएस)।** कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम हाटगुड़ा में नाले में डूबने से अधेड़ महिला की मौत हो गई। मृतक के पुत्र की रिपोर्ट पर पुलिस मर्ग कायम कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक हाटगुड़ा निवासी दुतिका बघेल पति पोयाराम बघेल 55 वर्ष गांव के ही नाले में कपड़ा धोने के लिए गई हुई थी। बहुत देर हो जाने और घर नहीं लौटने पर परिजन उसकी तलाश में निकले इसी बीच उसका शव नाले में तैरता हुआ मिला। मुह के बल गिरी दुतिका की मौत हो चुकी थी। जहां उसक मौत हुई वहां बमुश्किल घुटने तक ही पानी था। मामले की विवेचना कर रहे कोतवाली में पदस्थ एसआई होरीलाल नाविक ने बताया कि मृतिका के पुत्र जयराम बघेल ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट पर धारा 174 के तहत मर्ग कायम कर शव पंचनामा पश्चात मेकाज रवाना किया गया है। शव का पीएम किया जाएगा उसकी मौत डूबने से हुई या किसी और वजह से इसका खुलाश पीएम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।

### तेज रफ्तार कार ने आल्टो कार को मारी टक्कर

**रायपुर (आरएनएस)।** तेज रफ्तार कार चालक ने कार को टक्कर मार कर क्षतिग्रस्त कर देने की रिपोर्ट महिला ने राजेन्द्र नगर थाने में दर्ज करायी है। प्रार्थना नायक 20 वर्ष पिता रामकुमार नायक 27/2 सेक्टर 3 उदिया सोसायटी टाटीबंद आमानाका ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि मंगलवार की देर रात्रि जीएस पेट्रोल पंप रिंग रोड वन पर तेज रफ्तार कार क्रमांक सीजी 04 एलएस 0004 का चालक ने अनियंत्रित होकर महिला की आल्टो कार क्रमांक सीजी 04एच/1478 को टक्कर मार दिया। महिला ने घटना की रिपोर्ट राजेन्द्रनगर थाने में दर्ज करायी है। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ धारा 279,337 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

### चक्रवात से शहर थरथरा रहा, लेकिन निगम ने नहीं जलवाए अलाव

**जगदलपुर (आरएनएस)।** तूफान के असर के चलते इन दिनों समूचा क्षेत्र शीतलहर की चपेट में है लेकिन निगम प्रशासन ने अब तक सार्वजनिक जगहों पर अलाव जलाने के लिए जलाऊ की व्यवस्था नहीं की है। इसके चलते बस अड्डा, अस्पताल, पुराना बस स्टैंड, मंडी आदि जगहों पर हमाल, मजदूर व गरीब वर्ग के लोगों को ठंड में ठिठुरते देखा जा रहा है। ज्ञात हो कि आमतौर पर दिसम्बर माह के शुरुआती सप्ताह तक ठंड में वृद्धि होते ही निगम द्वारा प्रमुख स्थलों में आग जलाने के लिए अलावा की व्यवस्था ही जाती रही है। इस वर्ष इसकी शुरुआत नहीं की जा सकी है।

### यूरिया खाकर 5 मवेशियों की मौत, ग्रामीण व्यापारी पर भड़के

**जगदलपुर (आरएनएस)।** कुआकोंडा थाने के मैलेवाड़ा गांव में अचानक 4 गाय व एक बैल की मौत के बाद ग्रामीण गांव के एक व्यापारी पर काफी आक्रोशित हैं। मैलावाड़ा गांव के किसान लखेश्वर ठाकुर, महेश, मुन्ना, सीताराम ने बताया कि यूरिया खाने से मृत सभी 5 मवेशी चार किसानों के हैं। ग्रामीणों ने बताया कल देर शाम मवेशी जंगल से आने के बाद अचानक सड़क व कुछ घर पहुंचकर मर गए। एक साथ गांव के चार किसानों के 5 मवेशियों के मर जाने के बाद किसान व गांव के अन्य लोग मवेशियों की मौत का पता लगाने निकले तो ग्रामीणों को गांव के ही एक व्यापारी को उसके घर के पीछे रखे यूरिया के पास एक सुअर को भगाते देखा। तब आक्रोशित ग्रामीणों ने मामले की शिकायत कुआकोंडा थाने में की।

# कोहरे की वजह से रायपुर की 12 फ्लाइटें हुई प्रभावित, कई ट्रेनें भी विलंब से चल रही

**रायपुर (आरएनएस)।** भारत के छत्तीसगढ़, ओड़ीसा और आंध्रप्रदेश में हुई भारी बारिश के बाद अब तीनों राज्यों में सर्द हवाओं के साथ छाये घने कोहरे ने हवाई, रेल एवं सड़क मार्ग को खासा प्रभावित किया। छत्तीसगढ़ में घने कोहरे की वजह से बुधवार को राजधानी रायपुर से दूसरे राज्यों में जाने एवं आनी वाली दर्जनभर फ्लाइट प्रभावित हुई, वहीं लंबी दूरी की कई ट्रेनें भी विलंब से चल रही है। इसके अलावा कोहरे के कारण सड़कों पर भी गाड़ियों का आवागमन कुछ घंटे प्रभावित रहा।

छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिन में हुई बारिश के बाद यहां सर्द हवाएं चलने के साथ तापमान में भारी गिरावट आ गया है, जिसके चलते आज तड़के से राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में घना कोहरा कई घंटो तक छाया रहा। घने कोहरे के कारण रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट की दर्जन भर फ्लाइटें प्रभावित रहीं। कोहरा इतना अधिक था कि दूसरे राज्यों से रायपुर आने वाली फ्लाइटों में एक भी सुबह 10 बजे तक रायपुर एयरपोर्ट नहीं पहुंच पायी, वहीं रायपुर से भी एक भी फ्लाइट उड़ान नहीं भर पायी। इस तरह कोहरे के कारण रायपुर की प्रभावित हुई दर्जभर फ्लाइट में क्रमशः एयरइंडिया की 1, जेट की 2 एवं इंडिगो की करीब 9 फ्लाईटे प्रभावित हुई।

इधर फ्लाइट के साथ-साथ आंध्रप्रदेश और ओड़ीशा होकर छत्तीसगढ़ आने एवं छग से होकर जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में भी कुछ ट्रेनें विलंब से चल रही है। वहीं छग प्रदेश में कोहरे के कारण तड़के 5 बजे से लेकर सुबह करीब 9 बजे तक कोहरा छाया रहा। घना कोहरा छाये रहने के कारण सड़कों पर आवागमन भी कई घंटे प्रभावित रहा।

# फिजूल खर्चों पर रोक की मुहिम : सीएम कॉरकेड में 13 के बजाए चलेगी अब 9 वाहने

**रायपुर(आरएनएस)।** फिजूल खर्चों में रोक लगाने के अपने वायदे के अनुसार मुख्यमंत्री ने इसकी शुरूआत अपने साथ चलने वाले काफिले से करते हुए वाहनों की संख्या कम करवा दी है। मुख्यमंत्री के काफिले में अब तक 13 वाहनें चलती थी, जिसे कम करके 9 वाहन कर दिया गया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राज्य की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए राज्य की कांग्रेस सरकार ने फिजूल खर्चों पर रोक लगाने का ऐलान कर दिया है। मुख्यमंत्री बनते ही भूपेश बघेल ने सबसे पहले फिजूल खर्चों पर रोक लगाने का ऐलान किया था। इसकी शुरूआत भी उन्होंने अपने ही काफिले से की है। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री और राज्यपाल के काफिले में कम से कम 13 से 15 वाहनें चलती हैं। मुख्यमंत्री के काफिले में 13 वाहनें अब तक चलती आ रही है। भूपेश बघेल ने इस पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। सूत्रों की माने तो मुख्यमंत्री बघेल के निर्देश पर अति आवश्यक वाहनों को ही कॉरकेड में शामिल किया जाएगा। बताया जाता है कि सीएम बघेल के निर्देश के बाद मुख्यमंत्री के कॉरकेड में शामिल 4 वाहनों को हटा दिया गया है, अब सीएम के कॉरकेड में केवल 9 वाहनें चलेगी। मुख्यमंत्री बघेल ने एक और बेहतर निर्णय लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अति आवश्यक होने पर ही उनके काफिले के लिए ट्रैफिक रोकी जाए, अन्यथा आम नागरिकों की सुविधा को देखते हुए उनके काफिले के लिए 15-20 मिनट पूर्व से ट्रैफिक न रोकी जाए। इसके अलावा उनके काफिले के रास्ते में यदि एंबुलेंस आती है तो सबसे पहले एंबुलेंस को निकाला जाए और इसके बाद उनके काफिले को गुजरने दिया जाए।

# रिहायशी इलाके में भालूओं का धावा, मजिस्ट्रेट परेशान

**कांकेर (आरएनएस)।** शहर के सिविल लाइन स्थित मकान में 3 भालूओं के घुसने से आसपास दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है मकान सत्र न्यायधीश का है, जहाँ 3 भालू घुस गए हैं। वन विभाग को इसकी सूचना मिलते अधिकारी मौके पर पहुँच भालूओं को घर से बाहर निकलने में जुट गये हैं।

बुधवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत कुमार शिवहरे के घर तीन भालुओं के घुसने से हड़कंप मच गया। एक मादा भालू अपने दो शावकों के साथ रिहायशी इलाके में घूम रही थी। न्यायाधीश प्रशांत शिवहरे का परिवार अभी भी घर में है और भालुओं की वहां मौजूदगी के कारण डर अब तक बना हुआ है। इन भालुओं को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। वनकर्मियों ने भालुओं के लिए एक पिंजरा लगाया है। साथ में शहद देकर लालच दिया जा रहा है।

### संत रामपाल की गिरफ्तारी का अनुयायियों ने किया विरोध

**जगदलपुर (आरएनएस)।** भाजपा सरकार ने संत रामपाल की गिरफ्तारी कर लाखों अनुयायियों की श्रद्धा पर चोट की है। अनुयायियों ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छग में भाजपा सरकार के खिलाफ रहकर सत्ता से हटाया है, यदि संत रामपाल के खिलाफ लगाए गए केसों को केंद्र सरकार ने वापस नहीं लिया तो लोक सभा चुनाव में भाजपा का विरोध करेंगे। प्रेस में जारी बयान में कहा गया है कि पूर्व में संत रामपाल के संतलोग आश्रम बरवाला जिला हिसार में भाजपा सरकार ने असंवैधानिक तरीके से 18 नवंबर 2014 को देश द्रोह का मामला दर्ज किया है।

# तूफान की असमय वर्षा से दलहन व तिलहन की फसल को नुकसान

**जगदलपुर (आरएनएस)।** फेथई तूफान के चलते बस्तर जिले में मौसम में लगातार बदलाव हो रहे हैं। 3-4 दिनों से हुई हल्की व मध्यम बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। दलहन व तिलहन की फसल में नुकसान की आशंका है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने कहा कि बस्तर जिले में दलहन व तिलहन फसलें गभार और टिकरा जमीन पर हैं। गभार में लगी फसल को नुकसान होगा लेकिन टिकरा भूमि में लगी फसल को इसका फायदा मिलेगा। जिले में दलहन व तिलहन की खेती 5 हजार हेक्टेयर से ज्यादा रकबे में की गई है। लगातार ऐसा मौसम बने रहने से सब्जी की फसल पर भी विपरीत असर पड़ने बी बात कही जा रही है। बिन मौसम बारिश व बादलों के बने रहने से किसानों को नुकसान होने की आशंका है। किसानों का कहना है कि इस बार धान की फसल तो अच्छी रही है मगर अभी मिंजाई का काम चल रहा है। समय पर धान की मिंजाई नहीं होने से नुकसान होगा। अब तक केवल एक चौथाई से कम किसान ही धान बेच पाए हैं।

#### सब्जी पर कीड़े लगेंगे

इस समय करीब पांच हजार हेक्टेयर में सब्जियां लगाई गई हैं। पिछले दो दिनों में हुई बारिश का असर सब्जियों की खेती पर पड़ रहा है। कुछ जगहों पर जहां मिर्च में फूल झड़ने की बात सामने आ रही है वहीं दूसरी ओर बेल वाली सब्जियां गिर गई हैं। ग्रामीण उद्यानिकी विस्तार अधिकारी आरके मिश्रा ने बताया कि बारिश और तेज हवा के चलते सब्जियों की खेती पर इसका असर पड़ेगा।

# कामकाज में तेजी लाने जल्द होगा राज्य मंत्रिमंडल का गठन

**रायपुर (आरएनएस)।** राज्य में कांग्रेस की सरकार के गठन के साथ ही मंत्रिमंडल के गठन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने मंत्रिमंडल के लिए सदस्यों के नाम चुन लिया है, संभावित मंत्रियों के नाम लेकर वे जल्द दिल्ली रवाना होंगे और पार्टी अध्यक्ष से मिलकर मंत्रिमंडल में नाम फाइनल करेंगे।

राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद अब लोगों को बेसब्री से मंत्रिमंडल के गठन का इंतजार है। इसका कारण भी स्पष्ट है कि प्रशासनिक कामकाज में तेजी लाने के लिए मंत्रिमंडल का गठन आवश्यक है, इसके अलावा कांग्रेस की ओर से चुनाव पूर्व जारी घोषणा पत्र पर अमल करने और राज्य के कामकाज में तेजी लाने के लिए भी मंत्रिमंडल का गठन आवश्यक है। लिहाजा कांग्रेस की तैयारियां इस बात को लेकर तेज हैं कि जल्द से जल्द मंत्रिमंडल का गठन हो। इस बात से खुद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी वाकिफ हैं कि यदि उन्हें तेजी से कामकाज की शुरूआत करनी है तो उन्हें अपने मंत्रिमंडल का गठन जल्द से जल्द करना होगा। इधर सूत्रों की माने तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसकी तैयारी कर ली है। अपने मंत्रिमंडल में शामिल करने वाले मंत्रियों के संभावित नामों की लिस्ट उन्होंने तैयार कर ली है। इस लिस्ट को लेकर वे जल्द ही दिल्ली रवाना होंगे और पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर मंत्रिमंडल में शामिल नामों को फाइनल करेंगे।

इधर मंत्रिमंडल के गठन में भी पेंच फंसता नजर आ रहा है। कांग्रेस के युवा चेहरों ने भाजपा के कई दिग्गजों को पराजित कर कांग्रेस का परचम बुलंद किया है। लिहाजा मंत्रिमंडल में युवा चेहरों को मौका देकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल युवा वर्ग को प्रभावित कर सकते हैं।

# बगदेवा खदान हादसा : दो अधिकारियों पर गिरी गाज

### ❖ प्रारंभिक जांच के बाद हुई कार्रवाई

**कोरबा (आरएनएस)।** बगदेवा भूमिगत खदान में हुए हादसे में माइनिंग सरदार सहित तीन श्रमिकों की मौत मामले में प्रबंधन ने दो अधिकारियों के खिलाफ सस्पेंशन की कार्रवाई की है। प्रारंभिक जांच के बाद अधिकारियों पर यह कार्रवाई सुनश्चित की गई है। दूसरी ओर कटघोरा पुलिस ने भी खदान में हुए हादसे की जांच तेज कर दी है। बताया जाता है कि एसईसीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर एपी पाण्डेय द्वारा बगदेवा खदान के सीनियर मैनेजर राधेलाल सिन्हा एवं डिप्टी मैनेजर माइनिंग ओमप्रकाश सिंह के खिलाफ आरंभिक जांच के बाद सस्पेंशन की कार्रवाई की गई है। दोनों अधिकारियों को बिना अनुमति के मुख्यालय न छोडऩे निर्देशित किया गया है। दूसरी ओर कटघोरा पुलिस ने भी इस मामले में जांच तेज कर दी है।

हादसे के बाद से ही अधिकारियों की लापरवाही की खबरें सामने आ रही थी।

# गोविंदा की रंगीला राजा में 20 के बजाय लगे सिर्फ 3 कट

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के साथ पहलाज निहलानी की तनातनी खत्म हो गई है. उनकी फिल्म रंगीला राजा को फिल्म प्रमाणन अपीलीय न्यायाधिकरण (एफसीएटी) ने तीन दृश्यों में कांटछांट के साथ हरी झंडी दिखा दी है. इससे पहले जांच समिति ने 20 दृश्यों की कांटछांट करने के आदेश दिए थे. लेकिन पूर्व सीबीएफसी प्रमुख निहलानी के अनुसार, यह कांटछांट भी न्यायसंगत नहीं है.

निहलानी ने कहा, मेरे द्वारा रामायण और महाभारत से नाम इस्तेमाल करने पर उन्हें आपत्ति है. क्या वे यह सोचते हैं कि इन धर्मशास्त्रों पर उनका स्वामित्व है? पवित्र ग्रंथ हम सबके लिए हैं और हम जानते हैं कि कैसे उनका सम्मान करना चाहिए. फिल्मकार ने कहा, उन लोगों ने यह भी महसूस किया कि फिल्म में मैंने महिलाओं का अपमान किया है. बतौर फिल्मकार अपने 40 साल के करियर में मैंने ऐसा कभी नहीं किया है. हमारे परिवार में महिलाएं सब कुछ संभालती हैं.

# घर से ज्यादा ऑफिस में खुश रहती हैं महिलाएं

बहुत से लोग अपने ऑफिस को स्ट्रेसफुल जगह मानते हैं और शाम के वक्त घर लौटने का इंतजार करते नजर आते हैं। लेकिन इस फेमस बेलिफ के ठीक उलट अमेरिका के पेन स्टेट यूनिवर्सिटी में हुई एक स्टडी के नतीजे बताते हैं कि कई लोग खासतौर पर महिलाएं, अपने घर की तुलना में ऑफिस में कम तनाव महसूस करती हैं। आप भी सोच रहे होंगे कि आखिर यह कैसे संभव है? तो यहां जानें, इस रिसर्च और स्टडी के नतीजों के बारे में....

#### कैसे हुए स्टडी

अनुसंधानकर्ताओं ने स्टडी में शामिल 122 प्रतिभागियों का पूरा सप्ताह कॉर्टिसोल यानी स्ट्रेस हॉर्मोन के लेवल की जांच की और साथ ही उन्हें दिन के अलग-अलग समय पर अपने मूड को रेट करने के लिए भी कहा। इस स्टडी के नतीजे बताते हैं कि अपने वर्कप्लेस पर घर की तुलना में लोग कम तनाव में दिखे।

#### महिला वर्सेस पुरुष

इस विषय पर जब गहराई से जांच की गई तो अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि महिलाएं घर की तुलना में ऑफिस में ज्यादा खुश रहती हैं तो वहीं, पुरुष ऑफिस से ज्यादा घर पर खुश रहते हैं। अलग-अलग सामाजिक और आर्थिक बैकग्राउंड में भी यह परिणाम एक जैसे नजर आए।

#### क्या है इसका कारण

अनुसंधानकर्ताओं की मानें तो जॉब सैटिस्फैक्शन इसकी सबसे बड़ी वजह है। ऐसा देखने में आता है कि महिलाओं को जो जॉब पसंद नहीं आता वे उसे आसानी से बदल कर ऐसी जॉब करने लगती हैं जिसमें उन्हें खुशी मिलती है। वहीं पुरुषों की बात करें तो पुरुष अगर जॉब से संतुष्ट न हों तब भी वे उसमें बने रहते हैं।

#### वर्किंग मॉम कम स्ट्रेस्ड

इस स्टडी में आगे बताया गया कि वर्किंग मदर यानी वैसी मांएं जो कामकाजी होती हैं उनमें उन महिलाओं की तुलना में तनाव कम होता है जिनके कोई बच्चे नहीं होते।

#### सबसे कम स्ट्रेस

क्या आप अंदाजा लगा सकते हैं कि आखिर दिन के किस वक्त लोग सबसे कम तनाव में रहे? इसका सही जवाब है वीकेंड। स्टडी में शामिल प्रतिभागियों ने वीकेंड के दौरान सबसे कम तनाव महसूस किया।

#### एक्सपर्ट्स की राय

इस स्टडी के बारे में एक्सपर्ट्स का कहना है कि ऑफिस में महिलाएं सिर्फ अपने काम पर फोकस करती हैं और इसलिए वे वहां कम तनाव महसूस करती हैं लेकिन जब वे घर लौटती हैं तो यहां आकर उन्हें घर के कामों में सेकंड शिफ्ट शुरू करनी पड़ती है और मल्टी-टास्किंग होना पड़ता है जिस वजह से उनका स्ट्रेस लेवल बढ़ जाता है।